SEM-I

राजपूतों की उत्पत्ति

राजपूतों की उत्पत्ति लगभग छठी शताब्दी में हुई थी, राजपूत कुषाण, शक और हूणों के वंशज थे। राजपूत अग्नि की पूजा किया करते थे।

प्राचीन कथा के अनुसार —
जब पृथ्वी पर दैत्यों का आतंक बढ़ गया था तब महर्षि वशिष्ठ ने दैत्यों के विनाश के लिए आबू पर्वत (राजस्थान) पर एक अग्निकुण्ड का निर्माण का यज्ञ किया। इस यज्ञ की अग्नि से चार योद्धाओं — प्रतिहार, परमार, चौहान और चालुक्य की उत्पत्ति हुई। भारत में अन्य राजपूत वंश इन्हीं की सन्तान है।

पहला राजपूत राजा - सिसोदिया (राजपूत)
मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश के शासक
(1326 - 1948 ई०)

राजसिंह I - 1652-1680
जय सिंह - 1680 - 1698
अमर सिंह II - 1698 - 1710
संग्राम सिंह II - 1710 - 1734

श्री कर्नल जेम्स टॉड - द्वारा दिये गए सिद्धान्त के अनुसार - राजपूतों की उत्पत्ति विदेशी मूल की थी उनके अनुसार राजपूत कुषाण, शक..

राजपूत (संस्कृत से राजा-पुत्र, "राजा का पुत्र अथवा जागीरदार अथवा क्षत्रिय प्रमुख की संतान

डॉ० ईश्वरी प्रसाद ने इस काल के भारत को "राज्य के अन्दर राज्यों का काल" कहा है।